UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 7
विमानयानं रचयाम

शब्दार्थाः –

विमानयानम् = हवाई जहाज,
रचयाम = निर्माण करते हैं।
विपुले = विस्तृत।
विमले = स्वच्छ।
वायुविहारम = वायु विहार।
करवाम = करें।
उन्नतवृक्षम् = ऊँचे पेड़।
तुङ्गम् = ऊँचा।
क्रान्त्वाकाश = आकाश को पार करके।
याम = चलें ।
कृत्वा = करके।
हिमवन्तं = हिमालय को।
सोप निमु= सीढी ।
चन्दिरलोकम् = चन्द्रलोकम को।
प्रविष्ठाम = प्रवेश करें।
शुक्रश्चन्द्रः = शुक्र और चन्द्रमा ।
सूर्योगुरिति = सूर्य और गुरू।
सुन्दरताराचित्वा = सुन्दर तारों को चुनकर ।
मौक्तिकहारं = मोती का हार ।
अम्बुदमालाम् = मेघमाला को ।
अम्बरभूषाम् = आकाश की शोभा को ।
आदाय = लेकर के।
प्रतियाम = लौटें।
दुःखित = दुःख से।
गृहेषु = घरों में।
हर्षम् = खुशी ।
जनयाम = लायें।

राघव !.....करवाम।।1।।
हिन्दी अनुवाद – हे राघव, माधव हे सीता, ललिता, हवाई जहाज बनायें। विस्तृत, स्वच्छ नील गगन में वायु विहार करें।

उन्नतवृक्षं .....प्रविशाम ।।2।।
हिन्दी अनुवाद – ऊँचे वृक्षों ऊँचे भवनों, आकाश को पार करके चलें । हिमालय को सीढ़ी बनाकर चन्द्रलोक में प्रवेश करें।

https://www.evidyarthi.in/

शुक्रश्चन्द्रः .....रचयाम।।3।।
हिन्दी अनुवाद – शुक्र और चन्द्र सूर्य और गुरु सारे ग्रहों की गणना करें। अनेक प्रकार के सुन्दर तारों को चुनकर मोतियों का हार बनायें ।

अम्बुदमालाम्.....जन्याम् ।।4।।
हिन्दी अनुवाद – मेघमाला को, आकाश की शोभा को लेकर ही लौटें। दुःख से पीड़ित किसानों के गृहों में खुशी लायें।

गच्छन् .....गच्छति ।।5।।

https://www.evidyarthi.in/